जागृति

शिवानी: हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं का सम्पोषण एवं समन्वय केंद्र

अर्धवार्षिक सूचनापत्र खंड 4, अंक 2
(जुलाई-दिसंबर 2025)

JAGRITI

SHIVANI CENTRE FOR NURTURE AND REINTEGRATION OF HINDI AND OTHER INDIAN LANGUAGES

Half yearly Newsletter Volume 4, Issue 2
(July-December 2025)

विषयसूची

आयोजन

भारतीय भाषा उत्सव – भारतीय भाषाओं की विविधता का महोत्सव
काव्य संध्या – काव्य सृजन की मनमोहक प्रस्तुति
शिवानी जयंती समारोह – श्रीमती गौरा पंत 'शिवानी' जी को श्रद्धांजलि
अक्षर – आईआईटी कानपुर का साहित्यिक महोत्सव

कार्यशालाएँ

ग़ज़ल लेखन कार्यशाला – एक रचनात्मक अनुभव
अल्फ़ाज़ – कविता लेखन कार्यशाला

प्रतियोगिताएँ

हिंदी पखवाड़ा – हिंदी दिवस के अवसर पर दो सप्ताह का उत्सव
रचनात्मक कहानी लेखन प्रतियोगिता– मुंशी प्रेमचंद जी की स्मृति में
काव्य समर – काव्य पाठ प्रतियोगिता

गतिविधियाँ

अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए हिंदी शिक्षण कक्षाओं का उद्घाटन समारोह
डॉ. एडेल एस. एलमघराबी का शिवानी केन्द्र, आईआईटी कानपुर में आगमन
आईआईटी कानपुर में यूजी और पीजी अभिमुखीकरण कार्यक्रम

आगामी आयोजन एवं गतिविधियाँ

कर्मचारी सदस्य और संपर्क

Table of contents

Events

Bhartiya Bhasha Utsav – Celebrating the Diversity of Indian Languages	02-03
Kavya Sandhya – A Celebration of Poetry	04-05
Shivani Jayanti Samaroh – A Tribute to Smt. Gaura Pant 'Shivani'ji	06-07
Akshar: An IIT Kanpur literary festival	08-16

Workshops

A Workshop on Gazal Writing – A Creative Experience	17
Alfaz – A Poetry Writing Workshop	18

Competitions

Hindi Pakhwada – A Two-Week Celebration of Hindi Diwas	19-20
Creative Story Writing Competition- In memory of Munshi Premchand ji	21-22
Kavya Samar – A Poetry Recitation Competition	23

Activities

Inauguration Ceremony of Hindi Learning Classes for International Students	24-25
Visit of Dr. Adel S. Elmaghraby to Shivani Centre, IIT Kanpur	25-26
UG & PG Orientation Programs at IIT Kanpur	27-28
Upcoming Events and Activities	28-29
Staff Members & Contacts	30-31

भारतीय भाषा उत्सव - भारतीय भाषाओं की विविधता का महोत्सव - दिसंबर 11, 2025

Bhartiya Bhasha Utsav- Celebrating the Diversity of Indian Languages - December 11, 2025

Inauguration of the Bhartiya Bhasha Utsav by the invited dignitaries (11/12/2025)

Prof. Braj Bhushan, Deputy Director, IIT Kanpur, addressing the event (11/12/2025)

Prof. Arnab Bhattacharya presenting at the event, Bhartiya Bhasha Utsav (11/12/2025)

भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन 11 दिसंबर 2025 को आईआईटी, कानपुर के राजीव मोटवानी भवन के कक्ष संख्या 101 (RM 101) में किया गया। यह आयोजन प्रसिद्ध तमिल कवि, लेखक, पत्रकार एवं स्वतंत्रता सेनानी **श्री चिन्नास्वामी सुब्रमणिया भारती** की जयंती के उपलक्ष्य में किया गया। वे 32 भाषाओं के ज्ञाता थे। उन्होंने पतंजलि योगसूत्र और भगवद्गीता का तमिल भाषा में अनुवाद भी किया था। यह उत्सव उनके साहित्यिक एवं राष्ट्रीय योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम को **शिवानी केन्द्र**, **राजभाषा प्रकोष्ठ** और छात्र समूह-**हिन्दी साहित्य सभा** ने मिलकर आयोजित किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में **प्रो. ब्रज भूषण** (उप- निदेशक, आईआईटी कानपुर) उपस्थित थे। उनके साथ **प्रो. कांतेश बालानी** (समन्वयक, शिवानी केन्द्र), **प्रो. संतोष मिश्र** (प्रभारी प्रोफेसर, राजभाषा प्रकोष्ठ), **प्रो. अर्क वर्मा** (सह-समन्वयक, शिवानी केन्द्र) और **श्री विश्व रंजन** (कुलसचिव, आईआईटी कानपुर) की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

प्रो. कांतेश बालानी ने स्वागत भाषण दिया, जिसके बाद **प्रो. ब्रज भूषण** ने अपने छात्र जीवन के व्यक्तिगत अनुभव साझा किए और विभिन्न भाषाओं में पढ़ने के आनंद पर प्रकाश डाला। **श्री विश्व रंजन** ने व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि कैसे भाषा का उच्चारण क्षेत्रीय पहचान को प्रकट कर सकता है।

Bhartiya Bhasha Utsav was held at IIT Kanpur on December 11, 2025, in RM 101, Rajiv Motwani Building, to commemorate the birth anniversary of the renowned Tamil poet, writer, journalist, and freedom fighter, **Shri Chinnaswamy Subramania Bharati**, who was proficient in 32 languages. He is also celebrated for translating the Patanjali Yoga Sutras and the Bhagavad Gita into Tamil. The festival was organized to honour his literary and national legacy.

The event was jointly hosted by **Shivani Centre**, **Rajbhasha Prakoshth**, and the student group Hindi Sahitya Sabha. It was graced by **Prof. Braj Bhushan** (Deputy Director, IIT Kanpur) as the Chief Guest, along with **Prof. Kantesh Balani** (Coordinator, Shivani Centre), **Prof. Santosh Mishra** (In-charge Professor, Rajbhasha Cell), **Prof. Ark Verma** (Co-Coordinator, Shivani Centre), and **Mr. Vishwa Ranjan** (Registrar, IIT Kanpur). The ceremony began with the traditional lighting of the lamp by the Chief Guest and dignitaries.

Prof. Kantesh Balani delivered the welcome address, followed by **Prof. Braj Bhushan**, who shared personal experiences from his student life, highlighting the joy of reading in different languages. **Mr. Vishwa Ranjan** explained how pronunciation in language can reveal regional identity, providing practical examples.

अगले सत्र में, **प्रो. अर्नब भट्टाचार्य** ने *भाषा प्रसंस्करण में प्रौद्योगिकी की भूमिका* पर अपनी बात रखी। उन्होंने चर्चा की कि कैसे तकनीकी प्रगति ने भाषा विश्लेषण, अनुवाद और संचार के तौर-तरीकों को पूरी तरह बदल दिया है। इसके बाद, **प्रो. चैत्रा पुट्टस्वामी** ने द्रविड़ *भाषाओं* पर अपनी प्रस्तुति दी और उनके जटिल क्रिया तंत्र पर प्रकाश डाला। अंत में, **प्रो. उषा उदार** ने भाषाई विविधता पर व्याख्यान दिया और *निकटता से संबंधित भाषाओं के बीच समकालिक बोलीगत अंतरों को उजागर किया*।

इसके बाद एक अत्यंत उत्साहजनक **ओपन माइक** सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने **संस्कृत**, **हिन्दी, गुजराती, तेलुगु, ओड़िया, बंगाली, अवधी, असमिया** और **नेपाली** भाषाओं में अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। प्रस्तुति देने वालों में **श्री संजय खरा, श्री भरत सोमैया, श्री आशीष शर्मा, श्री दीपक कुशवाहा, श्री रामजीत यादव, सुश्री एकता बब्बर, श्री नृपेन डेका, श्री दिलेश्वर महान्कुडो, सुश्री शिप्रा सिंह चौहान, श्री जी. यशवंत, श्री एम. रिचर्ड्स, श्री बीरेश्वर सिंह राय, श्री सायक बेरा, सुश्री दिव्या त्रिपाठी** और **श्री गोविन्द शर्मा** शामिल थे। इन प्रस्तुतियों में गीत, काव्य पाठ और अन्य साहित्यिक विधाएँ शामिल थीं। **प्रज्ञान वर्मा**, **आराध्या दुबे** और **शैली ओमर** जैसी युवा प्रतिभाओं ने भी अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया। सभी उपस्थित लोगों द्वारा इन कार्यक्रमों की खूब सराहना की गई।

कार्यक्रम का समापन **प्रो. शोभित ओमर** और **प्रो. अमर बेहेरा** द्वारा प्रतिभागियों को उपहार एवं सहभागिता प्रमाण पत्र भेंट करने के साथ हुआ। इसके पश्चात, हिन्दी अधिकारी, आईआईटी कानपुर, **श्री विजय पांडे** द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया, जो भारत की भाषाई विविधता के सफल उत्सव और इस महोत्सव के सुव्यवस्थित समापन का प्रतीक बना।

In the next session, **Prof. Arnab Bhattacharya** spoke on the *Role of Technology in Language Processing*, discussing how technological advancements have transformed language analysis, translation, and communication. **Prof. Chaithra Puttaswamy** presented on *Dravidian languages*, highlighting their intricate verbal systems. **Prof. Usha Udaar** addressed language variation, demonstrating synchronic *dialectal differences among closely related languages*.

This was followed by a highly engaging **Open Mic** session, where participants presented in **Sanskrit, Hindi, Gujarati, Telugu, Odia, Bengali, Awadhi, Assamese,** and **Nepali** languages. Performers included **Mr. Sanjay Khara, Mr. Bharat Somaiya, Mr. Ashish Sharma, Mr. Deepak Kushwaha, Mr. Ramjeet Yadav, Ms. Ekta Babbar, Mr. Nripen Deka, Mr. Dileshwar Mahankudo, Ms. Shipra Singh Chauhan, Mr. G. Yashwant, Mr. M. Richards, Mr. Bireswar Singh Rai, Mr. Saik Bera, Ms. Divya Tripathi,** and **Mr. Govind Sharma**. The performances featured songs, poetry recitations, and other literary presentations. Young talents such as **Pragyan Verma**, **Aradhya Dubey**, and **Shaily Omar** also captivated the audience with their charming performances. The performances were greatly appreciated by everyone.

The event concluded with **Prof. Shobit Omar** and **Prof. Amar Behera** presenting gifts and participation certificates to the performers, followed by a vote of thanks delivered by **Mr. Vijay Pandey**, Hindi Officer, IIT Kanpur, marking a successful celebration of India's linguistic diversity and the completion of the festival.

Prof. Usha Udaar presenting at the Bhartiya Bhasha Utsav (11/12/2025)

Prof. Kantesh Balani felicitating Prof. Braj Bhushan (11/12/2025)

A student presenting at the Bhartiya Bhasha Utsav (11/12/2025)

काव्य संध्या – काव्य सृजन की मनमोहक प्रस्तुति - नवंबर 11, 2025

Prof. Ark Verma addressing Kavya Sandhya (11/11/2025)

आईआईटी कानपुर के शिवानी केंद्र द्वारा एक विशेष कार्यक्रम **काव्य संध्या** का आयोजन 11 नवंबर 2025 को किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ के रायपुर से आईं प्रतिष्ठित **कवयित्री सुश्री नीलिमा मिश्रा** का स्वागत किया गया। इस आयोजन में छात्रों, शिक्षकों और साहित्य प्रेमियों ने अपनी उपस्थिति से इस शाम को अविस्मरणीय बना दिया।

सुश्री नीलिमा मिश्रा की प्रमुख कृतियों में कविता संग्रह ***बेंच पर कविता*** और ***कला यात्रा*** में प्रकाशित छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं त्योहारों पर आधारित लेख शामिल हैं। उनकी कहानियाँ विभिन्न संकलनों में प्रकाशित हुई हैं और कुछ का प्रसारण **आल इंडिया रेडियो (आकाशवाणी)** पर भी किया गया है, जो उन्हें समकालीन साहित्य में एक विशिष्ट पहचान दिलाती हैं।

शाम की शुरुआत राजभाषा प्रकोष्ठ के प्रभारी **प्रो. संतोष मिश्र** के स्वागत भाषण से हुई। तत्पश्चात, **हिन्दी साहित्य सभा** के छात्रों ने अपनी स्वरचित कविताएँ और रचनाएँ प्रस्तुत कीं, जिनमें **श्री प्रदीप बिश्नोई, सुश्री समृद्धि केदारी, श्री करण चौहान** और **श्री सौभाग्य पांडे** की मनमोहक कृतियाँ शामिल थीं। इन छात्रों ने अपनी रचनात्मकता से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कैंपस समुदाय के योगदानों में **श्री जलज श्रीवास्तव, श्रीमती शिप्रा सिंह** और **श्री भरत सोमैया** की रचनात्मक कविताओं ने इस संध्या की समृद्धि में इजाफा किया।

Kavya Sandhya – A Celebration of Poetry - November 11, 2025

A student from Hindi Sahitya Sabha presenting his poetry at Kavya Sandhya (11/11/2025)

Shivani Centre, IIT Kanpur, hosted a special event, **Kavya Sandhya**, on November 11, 2025 welcoming the accompalished poetess **Ms. Neelima Mishra** from Raipur, Chhattisgarh. The event brought together students, faculty, and literature lovers for a memorable experience.

Ms. Neelima Mishra's notable works include the poetry collection ***Bench Par Kavita*** and articles on Chhattisgarh's culture and festivals published in ***Kala Yatra***. Her stories have appeared in anthologies, and some have been broadcast on **All India Radio (Akashvani)**, making her a distinctive voice in contemporary literature.

The evening began with a warm welcome by P**rof. Santosh Mishra**, Professor-in-charge of Rajbhasha Prakoshth. Students of the **Hindi Sahitya Sabha** presented their original poems and writings, including works by **Mr. Pradeep Bishnoi, Ms. Samriddhi Kedari, Mr. Karan Chauhan,** and **Mr. Saubhagya Pandey**, impressing the audience with their creativity.

Contributions from the campus community, including **Mr. Jalaj Srivastava, Ms. Shipra Singh,** and **Mr. Bharat Somaiya**, added to the evening's richness with creative poetry.

संध्या का मुख्य आकर्षण श्रीमती नीलिमा मिश्रा थीं, जिनकी कविताएँ— ***देहरी, पिता, पेट की भूख*** और ***सीता की विडम्बना***—ने दर्शकों को गहराई से मंत्रमुग्ध किया और समाज तथा मानवीय भावनाओं पर चिंतन का अवसर प्रदान किया।

काव्य संध्या का समापन **प्रो. अर्क वर्मा** द्वारा श्रीमती मिश्रा और सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करने के साथ हुआ, जिसमें साहित्यिक प्रतिभा का उत्सव मनाया गया और शिवानी केन्द्र की साहित्य और संस्कृति को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को उजागर किया गया।

The highlight of the evening was **Ms. Neelima Mishra**, whose poems such as ***Dehri, Pita, Pet Ki Bhook,*** *and* ***Sita Ki Vidambana*** engaged the audience deeply and offered reflections on society and human emotions.

It concluded with **Prof. Ark Verma** expressing gratitude to Ms. Mishra and all participants of the event, celebrating literary talent and highlighting Shivani Centre's commitment to promoting literature and culture.

Ms. Neelima Mishra presenting at Kavya Sandhya (11/11/2025)

Prof. Santosh Misra felicitating Ms. Neelima Misra at Kavya Sandhya (11/11/2025)

Attendees at Kavya Sandhya (11/11/2025)

Participants of Kavya Sandhya (11/11/2025)

शिवानी जयंती समारोह – श्रीमती गौरा पंत 'शिवानी' जी को श्रद्धांजलि - अक्टूबर 17, 2025

Chief guests at Shivani Jayanti Samaroh (17/10/2025)

श्रीमती गौरा पंत 'शिवानी' जी की **102वीं जयंती** के उपलक्ष्य में 'शिवानी केन्द्र' द्वारा **शिवानी जयंती समारोह** का भव्य आयोजन 17 अक्टूबर 2025 को शिवानी केन्द्र में किया गया। इस कार्यक्रम में हिन्दी साहित्य में उनके अमूल्य योगदान और भारतीय महिलाओं के जीवन के सजीव चित्रण को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

समारोह में कैंपस समुदाय के सदस्य और साहित्य प्रेमी शामिल रहे जिनमें **प्रो. तरुण गुप्ता (संकाय अध्यक्ष, शैक्षणिक कार्य), प्रो. अमर बेहेरा, प्रो. शिखा दीक्षित, प्रो. ललित सारस्वत, प्रो. नीरज मोहन चवाके, प्रो. अरुणभ मेश्राम, प्रो. अर्क वर्मा** और **प्रो. कांतेश बालानी** उपस्थित रहे। इनके साथ ही राजभाषा प्रकोष्ठ, हिन्दी साहित्य सभा और शिवानी केन्द्र के सदस्यों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ शिवानी जी की साहित्यिक विरासत को सम्मान देते हुए दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। हिन्दी साहित्य सभा के छात्र **श्री प्रदीप बिश्नोई** और **श्री अनुराग** ने कार्यक्रम का संचालन किया, जिसके पश्चात वी.एस.एस.डी. कॉलेज, कानपुर के **प्रो. राकेश शुक्ला** द्वारा शिवानी जी के जीवन और कृतित्व पर व्याख्यान दिया गया।

Shivani Jayanti Samaroh – A Tribute to Smt. Gaura Pant 'Shivani'ji - October 17, 2025

Dr. Rakesh Shukla delivering a lecture at Shivani Jayanti Samaroh (17/10/2025)

Shivani Centre held a grand **Shivani Jayanti Samaroh** to mark the **102nd birth anniversary** of **Smt. Gaura Pant 'Shivani'ji**, on October 17, 2025, celebrating her contributions to Hindi literature and her portrayal of the lives of Indian women.

The program was attended by faculty and literature enthusiasts, including **Prof. Tarun Gupta (Dean of Academic Affairs), Prof. Amar Behera, Prof. Shikha Dixit, Prof. Lalit Saraswat, Prof. Niraj Mohan Chawake, Prof. Arunabh Meshram, Prof. Ark Verma,** and **Prof. Kantesh Balani**. Members of Rajbhasha Prakoshth, Hindi Sahitya Sabha, and Shivani Centre also actively participated in the event.

The celebration began with the lighting of the ceremonial lamp, honouring Shivani ji's literary legacy. Hindi Sahitya Sabha students **Mr. Pradeep Bishnoi** and **Mr. Anurag** conducted the program, followed by a lecture on Shivani ji's life and works by **Prof. Rakesh Shukla**, VSSD College, Kanpur.

छात्रों ने उनकी प्रसिद्ध कहानी ***नथ*** का नाटकीय वाचन रूपांतरण प्रस्तुत किया, जिसका वर्णन **श्री प्रिंस बकोनिया, सुश्री निहारिका महावर** और **सुश्री आस्था यादव** द्वारा किया गया। उनके प्रदर्शन ने कहानी को दर्शकों के सामने जीवंत कर दिया। इसके बाद **श्री कुशाग्र शुक्ला, श्री करण चौहान, सुश्री अंजलि प्रिया, सुश्री सौम्या मिश्रा, श्री आशीष शर्मा, सुश्री खुशी, सुश्री समृद्धि केदारी और श्री जलज श्रीवास्तव** के काव्य सत्र ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अपने समापन भाषण में **प्रो. अर्क वर्मा** ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया और शिवानी जी की साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया। इस आयोजन के माध्यम से शिवानी जी के लेखन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई और वहाँ उपस्थित सभी लोगों को हिन्दी लेखन प्रणाली के विषय में प्रेरणा मिली।

Students performed a **dramatic adaptation** of her famous story ***Nath,*** narrated by **Mr. Prins Bakonia**, **Ms. Niharika Mahawar**, and **Ms. Astha Yadav**, bringing the story alive for the audience. A poetry session by **Mr. Kushagra Shukla, Mr. Karan Chauhan, Ms. Anjali Priya, Ms. Soumya Mishra, Mr. Ashish Sharma, Ms. Khushi, Ms. Samriddhi Kedari**, and **Mr. Jalaj Srivastava** further captivated the audience.

In his concluding address, **Prof. Ark Verma** thanked all participants and emphasized the importance of promoting Shivani ji's literary legacy. The event paid tribute to Shivani ji's work and inspired everyone present.

Dramatic adaptation by students of IIT Kanpur (17/10/2025)

A student presenting her poetry at Shivani Jayanti Samaroh (17/10/2025)

Organisers of Shivani Jayanti Samaroh (17/10/2025)

Participants of Shivani Jayanti Samaroh (17/12/2025)

अक्षर, आईआईटी कानपुर का साहित्यिक महोत्सव - अक्टूबर 9 से 11, 2025

साहित्यिक महोत्सव **अक्षर 2025** का आयोजन 9 से 11 अक्टूबर तक आईआईटी कानपुर के आउटरीच ऑडिटोरियम में किया गया। **शिवानी केन्द्र, राजभाषा प्रकोष्ठ, हिन्दी साहित्य सभा (आईआईटी कानपुर का छात्र समूह)** और लोकप्रिय ऑडियो होस्टिंग प्लेटफॉर्म गाथा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस महोत्सव में 20वीं सदी की प्रख्यात हिन्दी उपन्यासकार दिवंगत **श्रीमती गौरा पंत 'शिवानी' जी** के जीवन और कृतियों का उत्सव मनाया गया।

तीन दिनों तक चले इस महोत्सव में **साहित्य, कविता, कहानी, नाटक, संगीत और चर्चाओं** का संगम देखने को मिला, जिसने लेखकों, कलाकारों और साहित्य प्रेमियों को एक मंच प्रदान किया। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण **पुस्तक मेला** का आयोजन था, जहाँ भारत के प्रमुख प्रकाशकों की विभिन्न भाषाओं में कृतियाँ प्रदर्शित की गईं। इसने पाठकों और साहित्य के प्रति उत्साही लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया।

प्रथम दिवस: अक्षर 2025 - अक्टूबर 9, 2025

अक्षर 2025 का भव्य शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस कार्यक्रम का उद्घाटन **प्रो. जितेंद्र कुमार बेरा** (कार्यकारी निदेशक) , **प्रो. प्रतीक सेन** (अधिष्ठाता, छात्र कल्याण) , **प्रो. कांतेश बालानी** (समन्वयक, शिवानी केन्द्र) , **प्रो. संतोष कुमार मिश्र** (प्रभारी, राजभाषा प्रकोष्ठ) , **प्रो. अर्क वर्मा** (सह-समन्वयक, शिवानी केन्द्र) के साथ **श्री समीर** (समन्वयक, अंतराग्नि) और **श्री संजय खरा** (समन्वयक, हिन्दी साहित्य सभा) ने सामूहिक रूप से किया। अपने स्वागत भाषण में, **प्रो. कांतेश बालानी** ने सभी गणमान्य अतिथियों और साहित्य प्रेमियों का हार्दिक अभिनंदन किया। इसके पश्चात, पुस्तक मेले का उद्घाटन किया गया और आईआईटी कानपुर में हिन्दी साहित्य सभा के पूर्व समन्वयकों को संस्थान में हिन्दी साहित्य को बढ़ावा देने में उनके योगदान के लिए स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

Akshar, an IIT Kanpur Literary Festival - October 9 to 11, 2025

The literary festival **Akshar 2025** was held from October 9 to 11 at the Outreach Auditorium of IIT Kanpur. Organized jointly by **Shivani Centre, Rajbhasha Prakoshth, Hindi Sahitya Sabha (IIT/K student body)**, and **Gaatha,** a popular audio hosting platform, the festival celebrated the life and works of the renowned 20th-century Hindi novelist, late **Smt. Gaura Pant 'Shivani' ji**.

Over three days, Akshar 2025 offered **literature, poetry, storytelling, drama, music,** and **discussions**, bringing together writers, artists, and literature lovers. A major highlight was the **book fair**, showcasing works from leading publishers across India in multiple languages, drawing readers and literature enthusiasts from all around.

Day One: Akshar 2025 - October 9, 2025

The inauguration of Akshar 2025 began on October 9, 2025, with the traditional lighting of the ceremonial lamp. **Prof. Jitendra Kumar Bera** (Acting Director), **Prof. Prateek Sen** (Dean, Student Affairs), **Prof. Kantesh Balani** (Coordinator, Shivani Centre), **Prof. Santosh Kumar Misra** (In-Charge, Rajbhasha Prakoshth), **Prof. Ark Verma** (Co-Coordinator, Shivani Centre), along with **Mr. Sameer** (Coordinator, Antaragni), and **Mr. Sanjay Khara** (Coordinator, Hindi Sahitya Sabha) inaugurated the event together. In his welcome address, **Prof. Kantesh Balani** extended a warm greeting to all the dignitaries and literature enthusiasts. Following this, the book fair was inaugurated, and former coordinators of Hindi Sahitya Sabha at IIT Kanpur were honoured with mementos and certificates for their contributions in promoting Hindi literature on campus.

Inauguration of Akshar 2025 by the chief guests (9/10/2025)

Prof. Jitendra Kumar Behera (Acting Director) addressing Akshar 2025 (9/10/2025)

Inauguration of Akshar – Grand Book Fair by Prof. Manoj K. Harbola (9/10/2025)

प्रथम सत्र, **प्रेमचंद और बनारस**, प्रख्यात कवि, निबंधकार, आलोचक, अनुवादक, निर्देशक एवं सांस्कृतिक चिंतक **श्री व्योमेश शुक्ल** द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस सत्र में मुंशी प्रेमचंद जी के जीवन के अनछुए पहलुओं और बनारस के साथ उनके आत्मीय संबंधों पर प्रकाश डाला गया। इस प्रस्तुति ने बनारस के महत्व को न केवल उनकी जन्मस्थल के रूप में, बल्कि उनके जीवन और साहित्य के महत्वपूर्ण पड़ावों के साक्षी के रूप में भी रेखांकित किया। श्री शुक्ल ने प्रसिद्ध लेखक, प्रेमचंद जी के व्यक्तित्व के कम चर्चित आयामों को अत्यंत जीवंतता के साथ प्रस्तुत किया। उनकी इस प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसके उपरांत, संगीतमय कार्यक्रम **स्वर-संध्या** का आयोजन हुआ, जिसमें प्रसिद्ध कलाकार **श्री मोहम्मद वक़ील** और उनके साथियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। अपनी सुरीली और सधी हुई आवाज़ के साथ, उन्होंने ग़ज़लों की एक लंबी श्रृंखला से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी भावपूर्ण प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया और इस शाम को अविस्मरणीय बना दिया। दर्शकों ने भी उत्साहपूर्ण तालियों के साथ उनकी सराहना की।

एक विशेष कहानी सत्र, **दास्तान-ए-कैफी आज़मी, श्री हिमांशु बाजपेयी** और **सुश्री प्रज्ञा शर्मा** द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस सत्र में महान उर्दू कवि और गीतकार कैफी आज़मी और उनकी पत्नी शौकत आज़मी की व्यक्तिगत और साहित्यिक यात्रा को विस्तार से दर्शाया गया। प्रस्तुति में उनके अटूट प्रेम, वैचारिक संघर्षों, प्रगतिशील सोच और साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान पर विशेष प्रकाश डाला गया। प्रस्तुतकर्ताओं ने कैफी साहब की रचनाओं के पीछे छिपे भावों और तत्कालीन सामाजिक परिवेश को इतनी कुशलता से पिरोया कि यह सत्र महान शायर कैफ़ी आज़मी के लिए एक भावभीनी श्रद्धांजलि के रूप में साबित हुआ।

The first session, **Premchand aur Banaras**, was presented by **Mr. Vyomesh Shukla**, a celebrated poet, essayist, critic, translator, director, and cultural theorist, highlighting unexplored aspects of Munshi Premchand's life and his deep connection with Banaras. The session showcased the city's importance not only as his birthplace but also as a witness to key moments of his life and works. The presentation brought to life lesser-known facets of the writer's personality, leaving the audience deeply engaged.

Further, the musical program, **Swar-Sandhya**, featured renowned artist **Mr. Mohammad Waqeel** and his group. With his melodious and modulated voice, he enthralled the audience with an array of ghazals. His soulful performance captivated everyone, making it an unforgettable evening, and the audience responded with enthusiastic applause.

A special storytelling session, ***Dastan-e-Kaifi Azmi***, was presented by **Mr. Himanshu Bajpai** and **Ms. Pragya Sharma**. The session explored the personal and literary journey of Kaifi Azmi, the legendary Urdu poet and lyricist and his wife Shaukat Azmi, highlighting their close bond, ideological struggles, progressive thinking, and literary contributions. The presenters skillfully conveyed the emotions behind his works and the social context of the time, offering a heartfelt homage to the legendary poet.

इस उत्सव में सुप्रसिद्ध गायक और गीतकार **श्री सिद्धार्थ सिंह** द्वारा प्रस्तुत **अवध के लोकगीत** का भी प्रदर्शन किया गया। उनके मंत्रमुग्ध कर देने वाले गायन ने दर्शकों को अवध की समृद्ध लोक संस्कृति से परिचित कराया। उनकी मधुर धुनों ने पारंपरिक गीतों की आत्मा को जीवंत कर दिया, जिससे दर्शक इस क्षेत्र की मिट्टी की सोंधी महक और आकर्षण में पूरी तरह डूब गए। इस प्रस्तुति ने अवध की कला और संस्कृति के उत्सव को एक यादगार अनुभव बना दिया।

उद्घाटन दिवस के सत्रों की समाप्ति पर, **प्रो. अर्क वर्मा** ने दर्शकों और प्रतिभागियों की सक्रिय उपस्थिति तथा उनके विशेष योगदान की सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

The festival also showcased the **Folk songs of Awadh**, performed by **Mr. Siddharth Singh**, a well known singer and lyricist. His captivating singing introduced the audience to Awadh's rich folk culture. The melodies captured the soul of the traditional songs, immersing the audience in the earthy charm of the region, creating a memorable celebration of Awadh's art and culture.

At the end of the opening day, **Prof. Ark Verma** delivered the vote of thanks, expressing gratitude to the audience and performers for their participation and outstanding contributions.

Akshar 2025 – Pustak Mela (9/10/2025)

Felicitation of Hindi Sahitya Sabha Students at Akshar (9/10/2025)

Mr. Vyomesh Shukl presenting in session 'Premchand aur Banaras' at Akshar 2025 (9/10/2025)

Mr. Mohammad Waqeel and his group at 'Swar Sandhya', Akshar 2025 (9/10/2025)

Storytelling session 'Dastan-e-Kaifi Azmi' presented by Mr. Himanshu Bajpai and Ms. Pragya Sharma (9/10/2025)

'Folk songs of Awadh', performed by Mr. Siddharth Singh (9/10/2025)

द्वितीय दिवस: अक्षर 2025 - अक्टूबर 10, 2025

Day Two: Akshar 2025 - October 10, 2025

Open Mic session 'Bachchon ka Kona', Akshar 2025 (10/10/2025)

अक्षर 2025 के पहले दिन के सफल आयोजन के बाद, दूसरे दिन की शुरुआत **बच्चों का कोना** कार्यक्रम के साथ हुई। यह एक 'ओपन माइक' कार्यक्रम था, जिसने बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक शानदार मंच प्रदान किया। इस कार्यक्रम में **अविरत, नैतिक सिंह चौहान, अरात्रिका वर्मा, आव्या बाजपेयी, सिमरन सिन्हा, परिधि सोमैया, एकांश अग्रवाल, शैली ओमर, मान्या, अभिज्ञान सिंह चौहान, आदित्य पंत** और **प्रज्ञान वर्मा** जैसे प्रतिभागियों ने अपनी मनमोहक और प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दीं। दर्शकों ने बच्चों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और ऊर्जा की जमकर सराहना की, जिससे यह आयोजन अत्यंत सफल रहा।

इसके बाद परिसर समुदाय के उभरते लेखकों और कवियों के लिए एक अन्य ओपन माइक कार्यक्रम उभरते सितारे का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में **सुश्री दिव्या त्रिपाठी, श्री भरत सोमैय्या, सुश्री शिप्रा सिंह चौहान, श्री जलज श्रीवास्तव, श्री प्रदीप बिश्नोई, सुश्री समृद्धि केदारी, श्री कुंवर देव व्रत सिंह, सुश्री छाया, श्री संयम शर्मा, श्री राम जीत यादव, श्री ऋषभ पांडे सुश्री अंजली स्वराज** जैसे प्रतिभागियों ने अपनी मौलिक रचनाएँ प्रस्तुत कीं। दर्शकों ने इन युवा कलाकारों की मौलिकता और अभिव्यक्ति कौशल की सराहना करते हुए उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया दी।

Following the events of Day One, the second day, October 10, 2025 of **Akshar 2025** began with **Bachchon ka Kona**, an open mic event that gave children a platform to present their skills. Participants including **Avirat, Naitik Singh Chauhan, Aratrika Verma, Aavya Bajpai, Simran Sinha, Paridhi Somaiya, Ekansh Agrawal, Shaily Omar, Manya, Abhigyan Singh Chauhan, Aditya Pant,** and **Pragyan Verma** presented their graceful and charmomg performances. The audience warmly appreciated their creativity, confidence, and energy, making the event a success.

This was followed by another open Mic event **Ubharte Sitare** for aspiring writers and poets from the campus community. Participants such as **Ms. Divya Tripathi, Mr. Bharat Somaiya, Ms. Shipra Singh Chauhan, Mr. Jalaj Srivastava, Mr. Pradeep Bishnoi, Ms. Samriddhi Kedari, Mr. Kunwar Dev Vrat Singh, Ms. Chhaya, Mr. Sanyam Sharma, Mr. Ram Jeet Yadav, Mr. Rishabh Pandey,** and **Ms. Anjali Swaraj** presented their original writings. The audience responded enthusiastically, appreciating the originality and expressive skills of the young performers.

Open mic session 'Ubharte Sitare' at Akshar 2025 (10/10/2025)

A student performing at the Open Mic session 'Ubharte Sitare' at Akshar 2025 (10/10/2025)

Ms. Amrita Bhushan performing Kathak at Akshar 2025 (10/10/2025)

इसके बाद **उत्तर प्रदेश की नृत्य शैली – एक कथक प्रस्तुति** सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश की शास्त्रीय नृत्य परंपरा का भव्य प्रदर्शन हुआ। इस प्रस्तुति में प्रतिभाशाली कथक नृत्यांगना **सुश्री अमृता भूषण** और उनके शिष्यों—**श्रेया, शांभवी तिवारी, किशोरी राधा, तन्वी कुमारी, अक्षिता भूषण** और **काव्या बाजपेई** ने भाग लिया। इनके साथ **श्री ओम उपाध्याय, श्री अरविंद श्रीवास्तव, श्री राजकुमार हवेली** और **सुश्री वंदना खरे** ने भी अपनी कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। सभी कलाकारों ने मिलकर पदचाप की बारीकियों, भावपूर्ण कथावाचन और आपसी तालमेल के साथ शानदार प्रदर्शन किया। दर्शकों ने इस प्रस्तुति की खूब सराहना की, जिससे उन्हें कथक की शालीनता और उसकी सांस्कृतिक समृद्धि को और गहराई से समझने का अवसर मिला।

इसके बाद, बनारस के नाट्य समूह **रूपवाणी** द्वारा **जयशंकर प्रसाद** की कालजयी रचना कामायनी पर आधारित एक नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की गई। **श्री व्योमेश शुक्ल** के निर्देशन में सजी इस प्रस्तुति में **सुश्री स्वाति विश्वकर्मा, सुश्री नंदिनी विश्वकर्मा, सुश्री सखी शुक्ल, श्री तापस शुक्ल, श्री शाश्वत त्रिपाठी, श्री विनायक दहिया** और **श्री आकाश देववंशी** ने शानदार अभिनय किया। इस नाट्य रूपांतरण ने महाकाव्य की दार्शनिक और काव्यगत गहराई को जीवंत कर दिया। दर्शकों ने इस प्रदर्शन की भरपूर सराहना की और कलाकारों द्वारा महाकाव्य के पात्रों को जिस कुशलता और स्पष्टता के साथ प्रस्तुत किया गया, उसकी भी प्रशंसा की।

शाम के सत्र में ***शाम-ए-ग़ज़ल*** कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें **सुश्री ईशा चक्रवर्ती, श्री विश्वमय चक्रवर्ती** और **श्री सुरोजित राय** ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। उनकी भावपूर्ण गायकी और मधुर रचनाओं ने पूरे वातावरण को रूहानी बना दिया। उनके सुरों के जादू ने दर्शकों को पूरी तरह मंत्रमुग्ध कर दिया, और कलाकारों की उत्कृष्ट कला की सराहना से यह सत्र दिन के सबसे यादगार आकर्षणों में से एक बन गया।

Moreover, **A Dance Form of Uttar Pradesh – Kathak Presentation** was held next, showcasing the classical dance tradition of Uttar Pradesh. The performers included **Ms. Amrita Bhushan**, a talented Kathak dancer and her students **Shreya, Shambhavi Tiwari, Kishori Radha, Tanvi Kumari, Akshita Bhushan, Kavya Bajpai along with Mr. Om Upadhyay, Mr. Arvind Srivastava, Mr. Rajkumar Haveli,** and **Ms. Vandana Khare**. Together they demonstrated intricate footwork, expressive storytelling, and coordination. The audience appreciated the performance, gaining a deeper understanding of the elegance and cultural richness of Kathak.

Later, the theatre group **Roopvani** from Banaras presented a dance-drama based on **Kamayani** by **Jaishankar Prasad**. Directed by **Shri Vyomesh Shukla**, and performed by **Ms. Swati Vishwakarma, Ms. Nandini Vishwakarma, Ms. Sakhi Shukla, Mr. Tapas Shukla, Mr. Shashwat Tripathi, Mr. Vinayak Dahiya,** and **Mr. Akash Devyanshi**. The production brought the philosophical and poetic depth of the epic to life. The show was well received by the audience, who applauded the skill and clarity with which the performers depicted the epic.

In the evening, **Shaam-e-Ghazal** event featured performances by **Ms. Isha Chakraborty, Mr. Vishwamay Chakraborty,** and **Mr. Surojit Rai,** whose expressive vocals and harmonious compositions created a soulful atmosphere. The audience was captivated by the melodies, applauding the performers' musical skill and making this segment one of the highlights of the day. Thus, the second day of Akshar 2025 was a memorable celebration of art and culture, showcasing a blend of traditional and modern expressions in poetry, music, and dance.

Performers of Kathak at Akshar 2025 (10/10/2025)

अक्षर 2025 के दूसरे दिन का समापन एक शानदार **महफ़िल-ए-क़व्वाली** के साथ हुआ। इसमें हज़रत निज़ामुद्दीन औलिया दरगाह से जुड़े सिकंदराबाद घराने के प्रसिद्ध कव्वाल **श्री यूसुफ निज़ामी** और उनके समूह ने अपनी रूहानी प्रस्तुति दी, जिसने संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस प्रकार, अक्षर महोत्सव का दूसरा दिन कला और संस्कृति का एक यादगार उत्सव रहा, जहाँ कविता, संगीत और नृत्य के माध्यम से पारंपरिक और आधुनिक शैलियों का अनूठा संगम देखने को मिला।

The second day of Akshar 2025 ended with a memorable **Mehfil-e-Qawwali** that delighted music lovers. Renowned qawwal **Mr. Yusuf Nizami** from the Sikandarabad gharana, along with his group, presented a soulful performance that captivated the audience. The gharana is closely connected to the Dargah of Hazrat Nizamuddin Auliya in Delhi and carries a centuries-old Qawwali tradition. The soothing and spiritual music created a peaceful atmosphere and left the audience deeply moved, making it a perfect conclusion to the day's events.

Roopwani group presenting Dance-Drama 'Kamayani' at Akshar 2025 (10/10/2025)

Ms. Isha Chakraborty being felicitated for her performance at the session 'Shaam-e-Ghazal' at Akshar (10/10/2025)

Mr. Yusuf Nizami performing at 'Mehfil-e-Qawwali', Akshar 2025 (10/10/2025)

तृतीय दिवस: अक्षर 2025 - अक्टूबर 11, 2025

Day Three: Akshar 2025 - October 11, 2025

Dr. Alok Bajpayi at a panel Discussion at Akshar 2025 (11/10/2025)

Panel Discussion 'From Imagination to Compassion – Exploring Human Sensibilities through Literature and Art', Akshar 2025 (11/10/2025)

Mr. Durgesh Kumar and Mr. Saharsh Shukla participating in the talk 'Reality or Entertainment: The Use of Cinema in Today's Era', Akshar 2025 (11/10/2025)

भारत के समृद्ध साहित्य और संस्कृति को दर्शाने वाले कई मनमोहक प्रस्तुतियों के बाद, **अक्षर 2025** के तीसरे और अंतिम दिन की शुरुआत ***कल्पना से करुणा तक: साहित्य और कला के माध्यम से मानवीय भावनाओं की खोज*** *विषय पर आधारित एक पैनल चर्चा के साथ हुई।* इस सत्र में प्रसिद्ध मनोचिकित्सक एवं लेखक **डॉ. आलोक बाजपेयी** और दयानंद डिग्री कॉलेज, कानपुर के वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रमुख **डॉ. मधु सहगल** मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन 'कहकशां फाउंडेशन' के संस्थापक और लेखक **श्री आनंद कक्कड़** ने अपनी गहरी अंतर्दृष्टि और कुशलता के साथ किया। श्रोताओं ने इस चर्चा की भरपूर सराहना की और यह सत्र सभी के लिए बेहद प्रेरणादायक रहा।

यह चर्चा मुख्य रूप से मानवीय भावनाओं को आकार देने में कल्पना और करुणा की भूमिका पर केंद्रित रही। वक्ताओं ने तेजी से होते डिजिटलीकरण के कारण समाज, विशेषकर परिवारों में आ रहे बदलावों और उनके दूरगामी सामाजिक प्रभावों पर गहराई से विचार-विमर्श किया। उन्होंने युवा मस्तिष्क को स्थिरता और नैतिक मूल्य प्रदान करने में सांस्कृतिक और सामाजिक जड़ों से जुड़े होने के महत्व पर जोर दिया। श्रोताओं ने इस सत्र की अत्यधिक सराहना की, क्योंकि इसने न केवल समकालीन सामाजिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला, बल्कि यह भी रेखांकित किया कि कैसे साहित्य और कला, करुणा एवं मानवता को पोषित कर सकते हैं।

After a series of captivating performances highlighting India's rich literature and culture, the third and final day, October 11, 2025 of **Akshar 2025** began with the event ***Kalpana se Karuna tak,*** *a panel discussion titled* ***From Imagination to Compassion – Exploring Human Sensibilities through Literature and Art***. The session featured renowned psychiatrist and author **Dr. Alok Bajpai** and **Dr. Madhu Sehgal**, Head of the Botany Department at Dayanand Degree College, Kanpur, with **Mr. Anand Kakkar**, writer & founder of Kahkashan Foundation, conducting the discussion with remarkable insight and depth. It was well received by the audience and appreciated by everyone.

The conversation focused primarily on the role of imagination and compassion in shaping human emotions. The speakers deeply engaged with the changes occurring within society, especially within families, due to rapid digitalization, examining their far-reaching social implications. They emphasized the importance of cultural and social grounding in offering stability and moral values to young minds. The audience appreciated the session immensely, as it not only illuminated contemporary social challenges but also highlighted how literature and art can nurture compassion and humanity.

Eminent poets at 'Maha Kavisammelan', Akshar 2025 (11/10/2025)

Mr. Balmohan Pandey presenting his poetry at 'Mahakavi Sammelan', Akshar 2025 (11/10/2025)

Mr. Azhar Iqbal presenting at 'Mahakavi Sammelan', Akshar 2025 (11/10/2025)

इसके बाद, लेखिका **सुश्री भावना मिश्रा** के संचालन में ***वास्तविकता अथवा मनोरंजन: आज के दौर में सिनेमा के प्रयोग*** विषय पर एक सत्र आयोजित किया गया। इस चर्चा में सिनेमा जगत की दो जानी-मानी हस्तियों ने भाग लिया—वेब सीरीज पंचायत' में 'बनराकस' के चर्चित किरदार से प्रसिद्ध हुए **श्री दुर्गेश कुमार** और फिल्म *छिछोरे* में शतरंज खेलने वाले *'बेवड़ा'* की भूमिका निभाने वाले श्री सहर्ष शुक्ल। दोनों अतिथियों ने अपने व्यक्तिगत सफर और संघर्षों को साझा किया, जिससे उनकी सहजता और ईमानदारी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। चर्चा के दौरान उन्होंने सिनेमा के बदलते स्वरूप, इसके उद्देश्य और ओटीटी (OTT) प्लेटफॉर्म्स द्वारा फिल्म जगत में आए क्रांतिकारी बदलावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि तकनीकी प्रगति और डिजिटलीकरण के कारण समाज में सिनेमा की भूमिका पूरी तरह बदल गई है। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि मुख्यधारा का सिनेमा अक्सर आम सामाजिक वास्तविकताओं को दर्शाने में चूक जाता है, जबकि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने नए कलाकारों, मौलिक कहानियों और फिल्म निर्माण के क्षेत्र में रोजगार के ढेरों नए अवसर प्रदान किए हैं। इस ज्ञानवर्धक और जीवंत चर्चा ने न केवल दर्शकों का मनोरंजन किया, बल्कि समकालीन सिनेमा के वास्तविक चरित्र की गहरी समझ भी विकसित की।

उत्सव का समापन अक्षर 2025 के **महाकवि सम्मेलन** के साथ हुआ, जो देश के प्रतिष्ठित कवियों और शायरों की उपस्थिति से सुसज्जित एक भव्य साहित्यिक समागम था। कार्यक्रम का वातावरण उस समय काव्यमयी चमक से जीवंत हो उठा, जब **श्री नरेश सक्सेना, श्री बालमोहन पांडेय, श्री अमृतांशु शर्मा, श्री व्योमेश शुक्ल, श्री लोकेश त्रिपाठी, श्री एकाग्र शर्मा, श्री विश्वनाथ तिवारी, सुश्री सान्या राय और श्री अजहर इकबाल** जैसी प्रख्यात साहित्यिक विभूतियों ने मंच की शोभा बढ़ाई। अपनी भावपूर्ण कविताओं, ग़ज़लों और नज़्मों के माध्यम से इन रचनाकारों ने सामाजिक मुद्दों, राष्ट्रीय चेतना और प्रेम के विविध आयामों पर गहन विचार प्रस्तुत किए। उनकी मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुतियों ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा और एक चिरस्थायी एवं अविस्मरणीय काव्य अनुभव का सृजन किया।

Following this, the event ***Vastavikta athva Manoranjan: Aaj ke Daur mein Cinema ke Prayog,*** moderated by writer **Ms. Bhavna Mishra**, brought together two celebrated film personalities - **Mr. Durgesh Kumar**, famed for his role as *'Banrakas'* in Panchayat, a popular character in the web series Panchayat, and **Mr. Saharsh Shukla**, known for portraying the chess-playing *'Bewda'* in well known movie - *Chhichhore*. The guests shared their personal journeys and struggles, captivating the audience with their humour and honesty. They discussed the evolving practices in cinema, its purpose, and how OTT platforms have reshaped the cinematic landscape. With technological progress and digitalization, cinema's role in society has undergone significant transformation. The speakers stressed that mainstream cinema often fails to mirror common social realities, whereas OTT platforms have created spaces for new artists, fresh narratives, and expanded employment opportunities in filmmaking and web-series production. This insightful and lively discussion not only entertained the audience but also offered a deeper understanding of the authentic character of contemporary cinema.

The celebrations concluded with the **Mahakavi Sammelan** of Akshar 2025, a grand literary gathering enriched by the presence of the nation's distinguished poets and shayars. The atmosphere turned vibrant with poetic brilliance as eminent literary figures such as **Mr. Naresh Saxena, Mr. Balmohan Pandey, Mr. Amritanshu Sharma, Mr. Vyomesh Shukla, Mr. Lokesh Tripathi, Mr. Ekagra Sharma, Mr. Vishwanath Tiwari, Ms. Sanya Rai,** and **Mr. Azhar Iqbal** graced the stage. Through soulful poems, ghazals, and nazms, they presented profound reflections on social issues, national sentiment, and love. Their captivating performances engaged the audience deeply, creating a lasting and unforgettable poetic experience.

अंत में, **प्रो. अर्क वर्मा** ने सभी उपस्थित जन, अतिथियों और कलाकारों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि **अक्षर साहित्य महोत्सव** इसी हर्ष और उत्साह के साथ निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगा।

आईआईटी कानपुर में आयोजित यह तीन दिवसीय साहित्य महोत्सव, इसमें सम्मिलित सभी व्यक्तियों के सामूहिक प्रयासों के फलस्वरूप अत्यंत सफल रहा। इस आयोजन को सफल बनाने में **शिवानी केन्द्र** से **सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल, श्री सुधांशु** और **श्री गोविन्द** के साथ-साथ राजभाषा प्रकोष्ठ से **श्री विजय पांडे, श्री जगदीश प्रसाद, श्री दुर्गेश कुमार मिश्रा, श्री अरविंद कुमार, श्री नितेश कुमार** और **श्री लाल चंद** शामिल थे। इन सभी के समर्पण और अथक परिश्रम ने कार्यक्रम के सुचारू संचालन और इसकी भव्य सफलता को सुनिश्चित किया।

In conclusion, **Prof. Ark Verma** expressed heartfelt gratitude to all attendees, guests, and artists, assuring that the ***Akshar Literary Festival*** will continue to progress with the same joy and enthusiasm.

The three-day literature festival at **IIT Kanpur** was a remarkable success due to the efforts of everyone involved. The organizing team included **Ms. Maitreyi Agarwal, Mr. Sudhanshu,** and **Mr. Govind**, from Shivani Centre, IIT Kanpur, as well as **Mr. Vijay Pandey, Mr. Jagdish Prasad, Mr. Durgesh Kumar Mishra, Mr. Arvind Kumar, Mr. Nitesh Kumar** and **Mr. Lal Chand** from the Rajbhasha Prakoshth. Their dedication and tireless work ensured the seamless execution and grand success of this event.

Audience cheering at Mahakavi Sammelan, Akshar (11/10/2025)

गज़ल लेखन कार्यशाला – एक रचनात्मक अनुभव - नवंबर 02, 2025

शिवानी केन्द्र और **हिन्दी साहित्य सभा ने मीडिया एंड कल्चरल कॉउन्सिल**, आईआईटी कानपुर के सहयोग से **गज़ल लेखन** पर एक विशेष कार्यशाला का संयुक्त रूप से आयोजन किया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य नए लेखकों को गज़ल लेखन की कला और उसकी तकनीकों से परिचित कराना था, साथ ही उन्हें एक गहन रचनात्मक अनुभव प्रदान करना था।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रख्यात गज़लकार **श्री अभिषेक शुक्ल** थे, जिन्होंने प्रतिभागियों को गज़ल लेखन की कला और उसकी बारीकियों से अवगत कराया। पिछले एक दशक में, श्री शुक्ल ने गज़ल की दुनिया में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। उनके काव्य में जीवन के प्रति जीवंत उत्साह, भाषाई कौशल और भावनात्मक गहराई का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। कविता के छंद-शास्त्र—बहर, रदीफ़ और क़ाफ़िया—पर अपनी पकड़ के लिए प्रसिद्ध श्री शुक्ल अपनी रचनाओं में लखनऊ की नफासत और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर देते हैं। उनका पहला कविता संग्रह, (2020, राजकमल प्रकाशन), व्यापक रूप से सराहा गया और इसने उन्हें समकालीन गज़ल की अग्रिम पंक्ति में स्थापित कर दिया।

कार्यशाला के दौरान, श्री शुक्ल ने प्रतिभागियों को गज़ल की संरचना और उसकी आत्मा से परिचित कराया। उन्होंने इसके तकनीकी पहलुओं जैसे कि बहर, क़ाफ़िया, रदीफ़ और मतला-मक़्ता की विस्तार से व्याख्या की। उदाहरणों के माध्यम से उन्होंने यह भी समझाया कि कैसे कुछ गिने-चुने और सटीक शब्दों के चयन से गहन भावनाओं को व्यक्त किया जा सकता है।

प्रतिभागियों ने ग़ज़ल लेखन का अभ्यास किया और अपने शेर साझा किए, जिस पर उन्हें श्री शुक्ल द्वारा अत्यंत सूक्ष्म और ज्ञानवर्धक प्रतिक्रियाएँ प्राप्त हुईं। यह कार्यशाला महज सीखने का एक सत्र नहीं था, बल्कि एक ऐसा मंच था, जहाँ शब्द और भावनाएँ एक साथ मिलकर नई रचनात्मक ऊर्जा का संचार कर रहे थे।

सत्र के समापन पर प्रतिभागियों ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि यह कार्यशाला न केवल शिक्षाप्रद थी, बल्कि प्रेरणादायक भी रही। इसने उन्हें गज़ल को मात्र एक कला के रूप में ही नहीं, बल्कि एक भावनात्मक यात्रा के रूप में महसूस करने का अवसर प्रदान किया।

A Workshop on Gazal Writing – A Creative Experience - November 02, 2025

Mr. Abhishek Shukla, Speaker of the workshop on Ghazal writing (2/11/2025)

Shivani Centre, Hindi Sahitya Sabha, in collaboration with **Media and Cultural Council, IIT Kanpur,** jointly organized a special workshop on ***Ghazal Writing*** on November 2, 2025. The workshop aimed to introduce new writers to the art and techniques of ghazal writing while offering an immersive creative experience.

The workshop's speaker was renowned ghazal poet **Shri Abhishek Shukla**, who guided participants through the art and techniques of ghazal writing. Over the past decade, Shri Shukla has established a distinctive presence in the world of ghazals. His poetry reflects a vibrant passion for life, linguistic finesse, and emotional depth. Renowned for his skill in the rhythmic and rhyming patterns of poetry—beher, radeef, and qaafiya—he vividly brings the elegance and cultural spirit of Lucknow to life in his work. His debut poetry collection, Harf-e-Awara (2020, Rajkamal Prakashan), was widely acclaimed and positioned him among contemporary ghazal's leading voices.

During the workshop, Shri Shukla introduced participants to the structure and soul of the ghazal, explaining its technical aspects such as beher, qaafiya, radeef, and matla-maqta. He used examples to show how even a few carefully chosen words can convey profound emotions.

Participants practiced writing ghazals and shared their verses, receiving insightful feedback from Shri Shukla. The workshop was more than just a learning session—it was a space where words and emotions combined to spark new creative energy.

By the end of the session, participants shared that the workshop was not only educational but also inspiring, allowing them to experience the ghazal as both an art form and an emotional journey.

अल्फ़ाज़ - कविता लेखन कार्यशाला - अक्टूबर 31, 2025

शिवानी केन्द्र ने **हिन्दी साहित्य सभा और मीडिया एंड कल्चरल कॉउन्सिल, आईआईटी कानपुर** के सहयोग से एक विशेष ***कविता लेखन कार्यशाला*** का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को कविता की कला और बारीकियों से परिचित कराना तथा उनकी रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रेरित करना था।

इस कार्यशाला का संचालन प्रसिद्ध साहित्यकार **डॉ. पंकज चतुर्वेदी** द्वारा किया गया, जो वी.एस.एस.डी. कॉलेज, कानपुर विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में प्रोफेसर हैं। डॉ. चतुर्वेदी न केवल एक कुशल अकादमिक व्यक्तित्व हैं, बल्कि एक संवेदनशील कवि, आलोचक और लेखक भी हैं, जिन्हें समकालीन हिन्दी साहित्य में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए व्यापक पहचान प्राप्त है। उनकी उल्लेखनीय कृतियों में काव्य संग्रह एक संपूर्णता के लिए (1998), रक्तचाप और अन्य कविताएं (2015) और आलोचनात्मक अध्ययन जैसे आत्मकथा की संस्कृति (2003) एवं जीने का उदय आशा (2015) शामिल हैं। उनका लेखन जीवन, संस्कृति और मानवता की गहरी समझ को प्रतिबिंबित करता है।

कार्यशाला के दौरान, डॉ. चतुर्वेदी ने प्रतिभागियों को कविता की बुनियादी तकनीकों से परिचित कराया, जिनमें संरचना, लय, भाव और सौंदर्यबोध शामिल थे। व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से उन्होंने समझाया कि कैसे साधारण अनुभवों को भी स्पष्टता और संवेदना के साथ व्यक्त करने पर वे अर्थपूर्ण कविता बन सकते हैं। उन्होंने इस बात पर भी विशेष बल दिया कि कविता केवल अभिव्यक्ति का एक माध्यम नहीं है, बल्कि यह स्वयं के अंतर्मन को समझने और समाज से जुड़ने का एक सशक्त मार्ग भी है।

प्रतिभागियों ने स्वयं अपनी कविताएँ लिखने का अभ्यास किया और उन पर सहायक प्रतिक्रियाएँ प्राप्त कीं। इस कार्यशाला ने विद्यार्थियों को न केवल कविता की बारीकियों का ज्ञान दिया, बल्कि उन्हें अपने विचारों और भावनाओं को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने के लिए प्रेरित भी किया।

कार्यशाला का समापन एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें छात्रों ने वक्ता के साथ उत्साहपूर्वक चर्चा की। इस दौरान विद्यार्थियों ने कविता लेखन के संबंध में कई प्रश्न पूछे और लेखन कला को निखारने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव व मार्गदर्शन प्राप्त किया।

अल्फ़ाज़ कार्यशाला सभी प्रतिभागियों के लिए एक स्मरणीय और ज्ञानवर्धक अनुभव सिद्ध हुई, जिसमें आईआईटी के छात्रों की सक्रिय भागीदारी विशेष रूप से सराहनीय रही। इस आयोजन ने प्रतिभागियों को उत्साह और आत्मविश्वास के साथ कविता की दुनिया को करीब से जानने और समझने के लिए सफलतापूर्वक प्रेरित किया।

Alfaz - A Poetry Writing Workshop - October 31, 2025

Dr. Pankaj Chaturvedi, Speaker of the workshop, Alfaz (31/10/2025)

Shivani Centre in collaboration with the **Hindi Sahitya Sabha and Media and Cultural Council, IIT Kanpur**, organized a special ***Poetry Writing Workshop*** on October 31, 2025, to introduce students to the art and craft of poetry and inspire their creative expression.The workshop was conducted by renowned literary figure **Dr. Pankaj Chaturvedi**, Professor in the Hindi Department at VSSD College, Kanpur University. Dr. Chaturvedi is not only an accomplished academic but also a sensitive poet, critic, and author, widely recognized for his contribution to contemporary Hindi literature. His notable works include poetry collections Ek Sampurnata Ke Liye (1998), Raktchaap aur Anya Kavitayein (2015), and critical studies such as Aatmakatha Ki Sanskriti (2003), Jeene Ka Uday Asha (2015). His writings reflect a deep understanding of life, culture, and humanity.

During the workshop, Dr. Chaturvedi introduced participants to the basic techniques of poetry, including structure, rhythm, emotions, and aesthetics. Through practical examples, he showed how even ordinary experiences can become meaningful poetry when expressed clearly and with feeling. He also highlighted that poetry is not only a form of expression but a way to reflect on oneself and connect with society.

Participants practiced writing their own poems and received helpful feedback. The workshop gave students not just knowledge about poetry but also motivation to express their thoughts and emotions creatively.

The workshop concluded with an interactive question-and-answer session, where students actively engaged with the speaker, asking questions and seeking advice on poetry writing.

Alfaz workshop proved to be a memorable and enriching experience for all the participants, especially with the active involvement of IIT students. The event successfully inspired participants to explore the world of poetry with enthusiasm and confidence.

हिन्दी पखवाड़ा – हिन्दी दिवस के अवसर पर दो सप्ताह का उत्सव - सितम्बर 17-30, 2025

Hindi Pakhwada - A Two-Week Celebration of Hindi Diwas - September 17-30, 2025

Hindi Dictation competition, Hindi Pakhwada (17/9/2025)

Essay writing competition, Hindi Pakhwada (18/9/2025)

School children participating in Competitions, Hindi Pakhwada (21/9/2025)

14 सितम्बर, 2025 को **हिन्दी दिवस** के अवसर पर, आईआईटी कानपुर में **शिवानी केन्द्र, राजभाषा प्रकोष्ठ** और **हिन्दी साहित्य सभा** के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। दो सप्ताह तक चले इस उत्सव में संस्थान के स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तर के छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनका मुख्य उद्देश्य संस्थान के भीतर हिन्दी साक्षरता को बढ़ावा देना था।

इन कार्यक्रमों का शुभारंभ 17 सितम्बर को **हिन्दी श्रुतलेख प्रतियोगिता** के साथ हुआ, जो मुख्य रूप से गैर-हिन्दी भाषी प्रतिभागियों के लिए आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता के माध्यम से उनकी वर्तनी और लेखन की दक्षता का आकलन किया गया। 18 और 19 सितम्बर को छात्रों ने **निबंध लेखन** और **कहानी लेखन प्रतियोगिताओं** में भाग लिया। कहानी लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को एक चित्र दिखाया गया और कहानी बुनने के लिए कुछ मिनटों का समय दिया गया, जिससे उनकी रचनात्मकता, त्वरित सोच और भाषाई कौशल का परीक्षण हुआ।

21 सितम्बर को परिसर के भीतर स्थित विद्यालयों के छात्रों के लिए विभिन्न **साहित्यिक प्रतियोगिताएँ** आयोजित की गईं, जिनमें युवा प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इसके पश्चात, 22 सितम्बर को **वाक्पटुता प्रतियोगिता** का आयोजन हुआ, जिसमें छात्रों को अपने वक्तृत्व कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिला। 24 सितम्बर को हिन्दी भाषा, साहित्य और व्याकरण पर आधारित एक सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागियों ने हिन्दी विषय पर अपने ज्ञान का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

To mark **Hindi Diwas** on September 14, 2025, **Shivani Centre**, in collaboration with **Rajbhasha Prakoshth** and **Hindi Sahitya Sabha**, organized **Hindi Pakhwada** at IIT Kanpur. The two-week-long celebration saw enthusiastic participation from both graduate and undergraduate students in a variety of competitions aimed at promoting Hindi literacy within the institute.

The events began on September 17 with a **Hindi Dictation Competition**, primarily for non-Hindi speakers, assessing their proficiency in spelling and writing. On September 18 and 19, students took part in an **Essay Writing Competition** and **a Story Writing Competition**, where participants were given a picture and a few minutes to craft a story, testing their creativity, quick thinking, and language skills.

On September 21, literary competitions were held for students from schools within the campus, with young participants engaging enthusiastically. Next, the **Elocution Competition** followed on September 22, allowing students to showcase their public speaking skills. On September 24, a **General Knowledge Competition** focused on Hindi language, literature, and grammar, giving participants the opportunity to display their knowledge of Hindi.

25 से 26 सितम्बर तक जीवन के अविस्मरणीय क्षण विषय पर एक **भाषण प्रतियोगिता** आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता ने प्रतिभागियों को अपने जीवन के यादगार अनुभवों को साझा करने का अवसर प्रदान किया। इसके माध्यम से उन्हें अपने संवाद कौशल को निखारने और हिन्दी भाषा में अपनी भावनाओं को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में सहायता मिली।

30 सितम्बर को हिन्दी पखवाड़ा का **भव्य समापन** हुआ, जिसमें सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस समारोह में प्रशासन के अधिष्ठाता **प्रो. वैभव श्रीवास्तव,** शिवानी केन्द्र के समन्वयक **प्रो. कांतेश बालानी**, सह-समन्वयक **प्रो. अर्क वर्मा**, संस्थान के कुलसचिव **श्री विश्व रंजन** और हिन्दी अधिकारी **श्री विजय पांडेय** उपस्थित रहे। गणमान्य व्यक्तियों ने सभी विजेताओं को बधाई दी और संस्थान में हिन्दी को बढ़ावा देने हेतु शिवानी केन्द्र, राजभाषा प्रकोष्ठ और हिन्दी साहित्य सभा के साझा प्रयासों की सराहना की।

हिन्दी पखवाड़ा 2025 न केवल एक भव्य उत्सव था, बल्कि एक शैक्षणिक अनुभव भी था, जिसने विद्यार्थियों को हिन्दी से जुड़ने और अपने पठन, लेखन एवं वाचन कौशल को को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

From September 25 to 26, the *Unforgettable Moments of Life*, **Speech Competition** was held which allowed participants to share their memorable life experiences, helping them improve their speaking skills and express emotions effectively in Hindi.

The **grand culmination** of *Hindi Pakhwada* was held on September 30, with an award ceremony honoring winners of all competitions. The ceremony was attended by **Prof. Vaibhav Srivastava**, Dean of Administration, **Prof. Kantesh Balani**, Coordinator of Shivani Centre, **Prof. Ark Verma,** Co-coordinator of Shivani Centre, **Mr. Vishwa Ranjan**, Institute Registrar, and **Mr. Vijay Pandey**, Hindi Officer. The dignitaries congratulated the winners and appreciated the collaborative efforts of Shivani Centre, Rajbhasha Prakoshth, and Hindi Sahitya Sabha in promoting Hindi within the institute.

Hindi Pakhwada 2025 was not only a vibrant celebration but also an educational experience, encouraging students to engage with Hindi and enhance their reading, writing, and speaking skills.

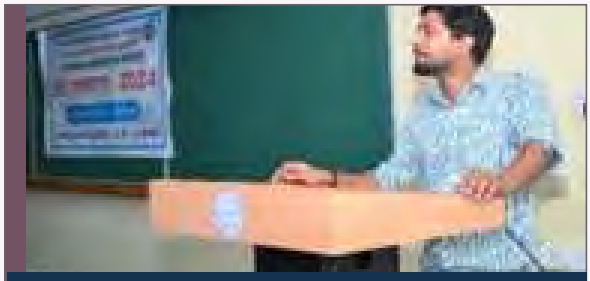

Extempore competition, Hindi Pakhwada (22/9/2025)

General Knowledge Competition, Hindi Pakhwada (24/9/2025)

Prize Distribution Ceremony, Hindi Pakwada (30/9/2025)

रचनात्मक कहानी लेखन प्रतियोगिता - मुंशी प्रेमचंद जी की स्मृति में - जुलाई 31, 2025

Creative Story Writing Competition - In memory of Munshi Premchand ji - July 31, 2025

Students participating in the Creative Story Writing Competition, in memory of Munshi Premchand ji (31/7/2025)

Award Ceremony of Creative Story Writing Competition (20/8/2025)

आईआईटी कानपुर में शिवानी केन्द्र ने **हिन्दी साहित्य सभा** और **राजभाषा प्रकोष्ठ** के सहयोग से **मुंशी प्रेमचंद जी** की 145वीं जयंती मनाई। इस अवसर पर एक **रचनात्मक कहानी लेखन** प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के लगभग 70 विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में रचनात्मक सोच और कल्पनाशीलता को प्रोत्साहित करना था, साथ ही उन्हें श्री मुंशी प्रेमचंद की साहित्यिक विरासत से जुड़ने का अवसर प्रदान करना था। इसके माध्यम से छात्रों को प्रेमचंद के लेखन के गंभीर विषयों से परिचित कराया गया और उन्हें कहानी लिखने की कला के जरिए अपने विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने का एक मंच भी मिला।

प्रतिभागियों को विविध सामाजिक और मानवीय संवेदनाओं पर कहानियाँ लिखने के लिए प्रेरित किया गया, जिनमें शामिल विषय थे - *बचपन की मासूमियत और त्याग की भावना,आज के समय में गरीबी की चुनौतियाँ, जातिगत भेदभाव और छुआछूत जैसे सामाजिक मुद्दे, आधुनिक परिवारों में बुजुर्गों की उपेक्षा और उनका अकेलापन, मनुष्य और पशुओं के बीच गहरा और अटूट रिश्ता और आज के युवाओं के सामने आने वाली चुनौतियाँ।*

Shivani Centre, in collaboration with **Hindi Sahitya Sabha** and **Rajbhasha Prakoshth**, celebrated the 145th birth anniversary of **Munshi Premchand** on July 31, 2025 at IIT Kanpur by organizing a **Creative Story Writing Competition**, in which ~70 students from the institute showcased their creative talents.

The competition aimed to encourage creative thinking and imagination among students while providing them an opportunity to engage with the literary legacy of Munshi Premchand. It also introduced students to the profound themes of his writings and offered a platform to express their thoughts effectively through storytelling.

Participants were inspired to write stories exploring a wide range of social and human themes, including- *The innocence and spirit of sacrifice in childhood; The challenges of poverty in contemporary times; Social issues such as caste discrimination and untouchability; The neglect and loneliness of the elderly in modern families; The deep and unbreakable bond between humans and animals; and The struggles faced by today's youth.*

प्रतियोगिताएँ / Competitions

20 अगस्त, 2025 को शिवानी केन्द्र में **पुरस्कार वितरण समारोह** का आयोजन किया गया, जहाँ विजेताओं और प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में **सुश्री समृद्धि केदारी** ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, **श्री मिन्हाज खुर्शीद** द्वितीय और **श्री अविरल सिंह** ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार **सुश्री अक्षिता, श्री स्पर्श माहेश्वरी, श्री करन चौहान, सुश्री नेहा पाल, श्री गौरव स्वर्णकार, सुश्री आद्या वी. आर., श्री हर्ष राज, सुश्री आस्था यादव, श्री शिवांश पांडेय** और **श्री हिमांशु कुमार**। अन्य सभी प्रतिभागियों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

यह आयोजन मुंशी प्रेमचंद की साहित्यिक विरासत को अक्षुण्ण रखने और उनकी कालजयी रचनाओं के माध्यम से युवा पीढ़ी को प्रेरित करने का एक सार्थक प्रयास था। इसके साथ ही, यह आईआईटी कानपुर के छात्रों के बीच साहित्य के प्रति प्रेम विकसित करने, रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने और भारतीय संस्कृति के प्रति गौरव की भावना जगाने के लिए एक सफल मंच के रूप में भी सिद्ध हुआ।

An **award ceremony** was held at Shivani Centre on August 20, 2025, where prizes and certificates were presented to the winners and participants. **Ms. Samriddhi Kedari** secured the first position, **Ms. Minhaj Khurshid** won the second, and **Mr. Aviral Singh** achieved the third position. Consolation prizes were awarded to **Ms. Akshita, Mr. Sparsh Maheshwari, Mr. Karan Chauhan, Ms. Neha Pal, Mr. Gaurav Swarnkar, Ms. Adya V R, Mr. Harsh Raj, Ms. Astha Yadav, Mr. Shivansh Pandey,** and **Mr. Himanshu Kumar**, while certificates were given to all other participants.

The event was a meaningful effort to keep Munshi Premchand's literary heritage alive and to motivate the younger generation through his timeless works. It also successfully served as a platform to cultivate a love for literature, encourage creativity, and instill pride in Indian culture among the students of IIT Kanpur.

Participants of the Creative Story Writing Competition session (31/7/2025)

काव्य समर : एक ऑनलाइन कविता पाठ प्रतियोगिता - जुलाई 2025

शिवानी केन्द्र ने हिन्दी साहित्य सभा के सहयोग से एक ऑनलाइन कविता पाठ प्रतियोगिता - **काव्य समर** का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य कविता के माध्यम से हिन्दी भाषा और साहित्य को बढ़ावा देना था। साथ ही, इसने साहित्य प्रेमियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और अपनी भावनाओं को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

काव्य समर के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी मौलिक रचनाएँ साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया, जिससे उन्हें कविता के माध्यम से अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का प्रोत्साहन मिला। इस प्रतियोगिता का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने इंस्टाग्राम के छात्र समूह पर अपने काव्य पाठ के वीडियो साझा किए। छात्रों ने वीडियो के माध्यम से अपनी स्वरचित कविताएँ प्रस्तुत कीं, जिसमें उन्होंने लेखन और वाचन दोनों क्षेत्रों में अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इन कविताओं में वीरता, मातृत्व, प्रेम, प्रकृति और दर्शन जैसे विभिन्न विषयों को शामिल किया गया था। अंत में, प्रविष्टियों का मूल्यांकन उनकी लोकप्रियता, लाइक्स और शेयर्स के आधार पर किया गया।

20 अगस्त, 2025 को शिवानी केन्द्र में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विजेताओं को पुरस्कार राशि और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के विजेता थे, **श्री करण चौहान** (पहला स्थान), **सुश्री विजेता सिंह** (दूसरा स्थान), और **श्री वैभव मौर्य** (तीसरा स्थान)। साथ ही, **सुश्री सौम्या मिश्रा, श्री प्रदीप बिश्नोई, श्री जगदीश मेघवाल** और **श्री कुशाग्र शुक्ला** को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किये गए।

कार्यक्रम के समापन पर **प्रो. कांतेश बालानी** ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और छात्रों को निरंतर रचनात्मक लेखन करने तथा उच्च श्रेणी का साहित्य पढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों को आश्वस्त किया कि इस प्रकार के रचनात्मक प्रयासों के लिए उन्हें भविष्य में भी निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग मिलता रहेगा।

यह ऑनलाइन प्रतियोगिता एक प्रेरणादायक मंच सिद्ध हुआ, जिसने साहित्यिक प्रतिभा को निखारा, रचनात्मकता को बढ़ावा दिया और हिन्दी साहित्य के साथ छात्रों के जुड़ाव को और अधिक सुदृढ़ किया।

Winners

1st prize
Mr. Karan Chauhan

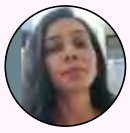

2nd prize
Ms. Vijeyta Singh

3rd prize
Mr. Vaibhav Maurya

Kavya Samar : An Online Poetry Recitation Competition: July 2025

Shivani Centre, in collaboration with Hindi Sahitya Sabha, organized an online poetry recitation competition titled **Kavya Samar**. The primary aim of the competition was to promote the Hindi language and literature through poetry, providing literature enthusiasts with a platform to showcase their talent and express their emotions creatively.

Kavya Samar invited participants to share their original compositions, encouraging them to express their thoughts and emotions through poetry. The competition was conducted online, where large number of participants submitted videos of their recitations through Instagram to the students' group. Students presented their self-written poems through videos, showcasing their exceptional talent in both writing and recitation. The poems covered various themes, including bravery, motherhood, love, nature, and philosophy. Later, the submissions were evaluated based on their popularity, likes, and shares.

An award ceremony was held at Shivani Centre on August 20, 2025 during which the winners were felicitated with prize money and certificates. The winners of the competition were **Mr. Karan Chauhan** (first place), **Ms. Vijeyta Singh** (second place), and Mr. **Vaibhav Maurya** (third place). Consolation prizes were awarded to **Ms. Soumya Mishra, Mr. Pradeep Bishnoi, Mr. Jagdish Meghwal,** and **Mr. Kushagra Shukla**.

To conclude the event, **Prof. Kantesh Balani** encouraged the participants and urged students to continue writing creatively and reading quality literature, assuring them of continued guidance and support for such creative endeavors.

The online event 'Kavya Samar' proved to be an inspiring platform that nurtured literary talent, fostered creativity, and strengthened students' connection with Hindi literature.

Consolation

Ms. Soumya Mishra

Mr. Pradeep Bishnoi

Mr. Jagdish Meghwal

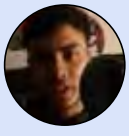

Mr. Kushagra Shukla

अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए हिन्दी शिक्षण कक्षाओं का उद्घाटन समारोह - नवंबर 6, 2025

Inauguration Ceremony of Hindi Learning Classes for International Students - November 6, 2025

International students participating in the inauguration of Hindi learning classes (6/11/2025)

Prof. Bushra Ateeq and Prof. Kantesh Balani addressing students during the inauguration (6//11/2025)

शिवानी केन्द्र, आईआईटी कानपुर में छह महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफल पूर्णता के बाद, अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए हिन्दी शिक्षण कक्षाओं के तीसरे सत्र का उद्घाटन समारोह 6 नवंबर 2025 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में **सूडान, मलेशिया, जॉर्डन, सीरिया, इथियोपिया, सोमालिया और इंडोनेशिया** सहित विभिन्न देशों के छात्रों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

इन कक्षाओं का उद्देश्य हिन्दी भाषा के मूलभूत पहलुओं को सिखाना है, जिसमें वर्णमाला, व्याकरण और संवादात्मक कौशल शामिल हैं। 'इंटरैक्टिव' सत्रों के माध्यम से छात्र हिन्दी बोलने और समझने की अपनी क्षमता में सुधार करते हैं और रोजमर्रा की परिस्थितियों में भाषा का आत्मविश्वासपूर्वक उपयोग करने में सक्षम होते हैं।

समारोह में **प्रो. बुशरा अतीक**, डीन ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस, **प्रो. कांतेश बालानी**, शिवानी केन्द्र समन्वयक, **प्रो. अर्क वर्मा**, सह-समन्वयक, और शिवानी केन्द्र तथा अंतरराष्ट्रीय संबंध कार्यालय, आईआईटी कानपुर के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान, उन छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए, जिन्होंने पहले हिन्दी कक्षाओं में भाग लिया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम ने न केवल उन्हें भाषा सीखने में मदद की, बल्कि भारतीय संस्कृति और समाज की समझ को भी गहरा किया। उन्होंने यह भी व्यक्त किया कि इन कक्षाओं ने उन्हें स्थानीय लोगों के साथ संवाद करने और भारत में जीवन यापन करने के लिए अधिक आत्मविश्वास दिया है।

Following the successful completion of a six-month training program at Shivani Centre, IIT Kanpur, the inauguration ceremony for commencing the third session of Hindi learning classes for international students was held on 6th November 2025. The program saw active participation from students from countries including **Sudan, Malaysia, Jordan, Syria, Ethiopia, Somalia, and Indonesia**.

The classes are designed to teach the fundamental aspects of the Hindi language, including the alphabet, grammar, and conversational skills. Through interactive sessions, students improve their speaking and comprehension abilities in Hindi, gaining confidence in using the language in everyday situations.

The ceremony was attended by **Prof. Bushra Ateeq**, Dean of International Relations, **Prof. Kantesh Balani**, Coordinator of the Shivani Centre, **Prof. Ark Verma**, Co-Coordinator, along with other staff members from the Shivani Centre and the Office of International Relations, IIT Kanpur.

During the event, students who had previously attended the Hindi classes shared their experiences, highlighting how the program not only helped them learn the language but also deepened their understanding of Indian culture and society. They expressed that the classes have made them more confident in communicating with local residents and navigating life in India.

शिवानी केन्द्र की यह पहल आईआईटी कानपुर की अंतरराष्ट्रीय छात्रों को एक सहयोगात्मक और समावेशी शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हिन्दी शिक्षण कक्षाएँ भाषाई कौशल और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, और आईआईटी कानपुर के विविध समुदाय में मजबूत संबंधों को प्रोत्साहित करती हैं।

This initiative by Shivani Centre reflects IIT Kanpur's commitment to providing international students with a supportive and inclusive academic environment. Hindi learning classes play a vital role in promoting linguistic skills and cultural understanding, fostering stronger connections within the diverse IIT Kanpur community.

An International student sharing experiences during the event (6/11/2025)

Inauguration of Hindi learning classes for International students (6/11/2025)

डॉ. एडेल एस. एलमघराबी का शिवानी केन्द्र, आईआईटी कानपुर में आगमन - अगस्त 19, 2025

19 अगस्त 2025 को अमेरिका के केंटकी राज्य से आए **डॉ. एडेल एस. एलमघराबी** ने आईआईटी कानपुर में स्थित शिवानी केन्द्र का दौरा किया। डॉ. एलमघराबी **यूनिवर्सिटी ऑफ लुइसविले के स्पीड स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग** में **औद्योगिक अनुसंधान एवं नवाचार के निदेशक** हैं और **कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर** के रूप में भी कार्यरत हैं। इससे पूर्व, वह अमेरिका के प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन-मैडिसन में भी शैक्षणिक पदों पर अपनी सेवाएँ दे चुके हैं।

अपने प्रतिष्ठित शैक्षणिक करियर के दौरान, डॉ. एलमघराबी ने 60 से अधिक मास्टर छात्रों और 25 पीएचडी शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया है। उनके शोध के प्राथमिक क्षेत्रों में इंटेलिजेंट मल्टीमीडिया सिस्टम, मशीन लर्निंग, हाई परफॉरमेंस कंप्यूटिंग, विज़ुअलाइज़ेशन और सिमुलेशन शामिल हैं। उनके शोध के परिणामों का उपयोग स्मार्ट सिटी, डेटा एनालिटिक्स, मेडिकल इमेजिंग और ई-हेल्थ जैसे विविध क्षेत्रों में सफलतापूर्वक किया गया है।

Visit of Dr. Adel S. Elmaghraby to Shivani Centre, IIT Kanpur - August 19, 2025

On August 19, 2025, **Dr. Adel S. Elmaghraby** from Kentucky, USA visited Shivani Centre at IIT Kanpur. Dr. Elmaghraby is the **Director of Industrial Research and Innovation at the Speed School of Engineering, University of Louisville**, and also serves as a **Professor in the Department of Computer Science and Engineering**. Prior to this, he has held academic positions at Carnegie Mellon University and the University of Wisconsin–Madison, USA.

Over the course of his distinguished academic career, Dr. Elmaghraby has supervised more than 60 Master's students and 25 PhD scholars. His primary research interests include Intelligent Multimedia Systems, Machine Learning, High Performance Computing, Visualization, and Simulation. The outcomes of his research have found applications in diverse domains such as smart cities, data analytics, medical imaging, and e-health.

डॉ. एलमघराबी एक **सुप्रसिद्ध लेखक, वक्ता** और **तकनीकी समीक्षक** हैं। उन्हें कई प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए हैं, जिनमें IEEE कंप्यूटर सोसाइटी द्वारा प्रदान की गई गोल्डन कोर चार्टर मेंबरशिप प्रमुख है। अपने निरंतर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से, वे कई वैश्विक शोध परियोजनाओं से जुड़े रहे हैं। उन्होंने उच्च-प्रभाव वाली पत्रिकाओं में व्यापक रूप से शोध कार्य प्रकाशित किए हैं, जिनमें IEEE ट्रांजैक्शंस ऑन मेडिकल इमेजिंग (IEEE-TMI) शामिल है। वे एसोसिएशन ऑफ इजिप्शियन अमेरिकन स्कॉलर्स के पूर्व अध्यक्ष और आजीवन सदस्य भी हैं।

अपनी यात्रा के दौरान, डॉ. एलमघराबी ने शिवानी केन्द्र के संकाय सदस्यों (फ़ैकल्टी), वर्चुअल लैब्स की टीम, शिवानी केन्द्र के स्टाफ और संबंधित छात्रों के साथ संवाद किया। अपने संबोधन में, उन्होंने भाषा प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और भविष्योन्मुखी सोच पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि शिक्षा और नवाचार को समाज के सभी वर्गों के लिए सुलभ बनाने हेतु अधिक प्रयासों की आवश्यकता है। तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य को रेखांकित करते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा और तकनीक दोनों का मौलिक रूप से 'मानव-केंद्रित' होना अनिवार्य है।

यह संवाद अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। डॉ. एलमघराबी की इस यात्रा से प्रेरित होकर, शिवानी केन्द्र अब कंप्यूटर और एआई आधारित पद्धतियों के माध्यम से बहुभाषी समझ के क्षेत्र में तकनीकी अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर है।

Dr. Elmaghraby is a **well-known author, speaker, and technical reviewer**. He has received several prestigious recognitions, including the Golden Core Charter Membership from the IEEE Computer Society. Through his sustained international collaborations, he has been associated with several global research projects and has published extensively in high-impact journals, including IEEE Transactions on Medical Imaging (IEEE-TMI). He is also a former President and a life member of the Association of Egyptian American Scholars.

During his visit, Dr. Elmaghraby interacted with faculty members at Shivani Centre, members of the Virtual Labs, Staff of Shivani Centre, and associated students. In his talk, he shared valuable insights on language technologies, artificial intelligence, and future-oriented thinking. He emphasized the need for greater efforts to make education and innovation accessible to all sections of society. Highlighting the rapidly evolving technological landscape, he stressed that both education and technology must remain fundamentally human-centric.

The interaction proved highly enriching, and Shivani Centre looks forward to advancing technical research in multilingual understanding through computational and AI-based methods inspired by Dr. Elmaghraby's visit.

Dr. Adel S. Elmaghraby interacting with members of Shivani Centre, IIT/K (19/8/2025)

Members of Shivani Centre with Dr. Adel S. Elmaghraby (19/8/2025)

आईआईटी कानपुर में यूजी और पीजी ओरिएंटेशन प्रोग्राम - जुलाई 26 और 29, 2025

UG & PG Orientation Programs at IIT Kanpur - July 26 and 29, 2025

Prof. Kantesh Balani presenting Shivani Centre at the PG Orientation program

Query session for students at the PG Orientation program

Freshers at IIT/K participating in the UG Orientation Program

शिवानी केन्द्र ने आईआईटी कानपुर के शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए नवनियुक्त स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के ओरिएंटेशन कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भागीदारी की। UG ओरिएंटेशन **26 जुलाई 2025** को मुख्य सभागार में आयोजित किया गया, जिसके बाद PG ओरिएंटेशन **29 जुलाई 2025** को लेक्चर हॉल L-20 में हुआ। इन सत्रों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शिवानी केन्द्र द्वारा प्रदान की जाने वाली शैक्षणिक, भाषाई और सांस्कृतिक सहायता से अवगत कराना था, ताकि उन्हें परिसर के जीवन और वातावरण में ढलने में सुगमता प्रदान की जा सके।

दोनों कार्यक्रमों के दौरान, शिवानी केन्द्र के समन्वयक, **प्रो. कान्तेश बालानी** ने छात्रों को केन्द्र के उद्देश्यों, गतिविधियों और इसके सदस्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह केन्द्र उन छात्रों की सहायता करता है जो भाषा संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, विशेषकर वे छात्र जो दूरदराज के क्षेत्रों और विविध पृष्ठभूमि से आते हैं। शिवानी केन्द्र मुख्य रूप से हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं में शैक्षणिक सामग्री विकसित करने और उनके अनुवाद पर ध्यान केंद्रित करता है। इसका उद्देश्य द्विभाषी शिक्षा को बढ़ावा देना और विभिन्न कार्यशालाओं, संगोष्ठियों तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना है। साथ ही, यह केन्द्र तकनीकी पहलों में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है, जैसे कि नए हिन्दी फोंट विकसित करना, वर्चुअल लैब तैयार करना एवं शैक्षणिक संसाधनों का सृजन करना।

पीजी ओरिएंटेशन के अवसर पर, शिवानी केन्द्र के सह-समन्वयक **प्रो. अर्क वर्मा** ने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि शिवानी केन्द्र समय-समय पर विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जिनमें छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये आयोजन छात्रों के भीतर साहित्य और संस्कृति के प्रति जागरूकता और रुचि पैदा करते हैं, जो उनके समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

Shivani Centre actively participated in the orientation programmes for newly admitted undergraduate and postgraduate students at IIT Kanpur for the academic year 2025–26. The UG orientation was held on **26th July 2025** at the Main Auditorium, followed by the PG orientation on **29th July 2025** in Lecture Hall L-20. These sessions aimed to introduce students to the academic, linguistic, and cultural support provided by the Shivani Centre and help them transition into campus life.

During both programmes, **Prof. Kantesh Balani**, Coordinator of Shivani Centre, briefed students about the Centre's vision, activities, and members. He explained that the Centre supports students facing language-related challenges, especially those coming from remote and diverse regions. Shivani Centre focuses on developing and translating academic content in Hindi and other Indian languages, promoting bilingual education, and organizing workshops, seminars, and cultural events. It also contributes to technical initiatives, such as developing new Hindi fonts and creating virtual labs and educational resources.

At the PG orientation, **Prof. Ark Verma**, Co-Coordinator of the Shivani Centre, addressed the students that Shivani Centre organizes various literary events, where students play an important role. These events foster an awareness and interest in literature and culture, which is crucial for the overall development of students.

गतिविधियाँ /Activities

दोनों ही सत्र पूरी तरह संवादात्मक रहे, जिनमें छात्रों ने भाषा संबंधी सहायता और केन्द्र की गतिविधियों के बारे में कई प्रश्न पूछे। शिवानी केन्द्र के सदस्यों द्वारा इन जिज्ञासाओं का अत्यंत विचारपूर्वक समाधान किया गया। इन कार्यक्रमों में शिवानी केन्द्र के प्रतिनिधि **प्रो. कांतेश बालानी, प्रो. अर्क वर्मा, सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल, श्री गोविन्द** और **श्री सुधांशु** उपस्थित रहे। ये सत्र नए स्नातक (UG) और स्नातकोत्तर (PG) छात्रों को आईआईटी कानपुर में भाषाई समावेशिता, सांस्कृतिक जागरूकता और शैक्षणिक शिक्षण को बढ़ावा देने में केन्द्र की भूमिका से परिचित कराने में सफल रहे।

Both sessions were interactive, with students asking questions about language support and Centre activities. Their queries were addressed thoughtfully by members of Shivani Centre. Shivani Centre representatives, including **Prof. Kantesh Balani, Prof. Ark Verma, Ms. Maitreyi Agrawal, Mr. Govind,** and **Mr. Sudhanshu**, were present at both programmes. The sessions successfully introduced new UG and PG students to the Centre's role in promoting linguistic inclusivity, cultural awareness, and academic learning at IIT Kanpur.

आगामी कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ/ Upcoming Events and Activities

अखिल भारतीय कहानी लेखन प्रतियोगिता: जनवरी 2026

शिवानी केन्द्र और **हिन्दी साहित्य सभा** के संयुक्त तत्वावधान में जनवरी 2026 में **अखिल भारतीय कहानी लेखन प्रतियोगिता** का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य देश भर के रचनाकारों को अपनी स्वरचित कहानियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

अनंतिनी : जनवरी 4, 2026

शिवानी केन्द्र, राजभाषा प्रकोष्ठ और **हिन्दी साहित्य सभा** के संयुक्त तत्वावधान में ***कवि सम्मेलन - अनंतिनी*** का आयोजन किया जाएगा जिसमें देश भर के प्रख्यात कवि सम्मिलित होंगे। इस कार्यक्रम में कविता, शायरी और ग़ज़ल सहित काव्य की विभिन्न विधाओं का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

All India Story Writing Competition: January 2026

Shivani Centre and **Hindi Sahitya Sabha** are jointly organizing an **All India Story Writing Competition**, titled ***Akhil Bhartiya Kahani Lekhan Pratiyogita***, in January 2026. The goal of this competition is to encourage individuals across the nation to showcase their self-written stories, thereby increasing awareness of Hindi literature and culture.

Anantini: January 4, 2026

Shivani Centre, **Rajbhasha Prakoshth**, and **Hindi Sahitya Sabha** will jointly organize ***Anantini, a kavisammelan*** at IIT Kanpur that will feature eminent poets from across the country. The event will showcase various genres of poetry, including poems, Shayari, and Ghazals.

आगामी कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ/ Upcoming Events and Activities

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस: फरवरी 21, 2026

21 फरवरी को विश्व स्तर पर मनाये जाने वाले ***अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस*** के अवसर पर, **शिवानी केन्द्र** और **राजभाषा प्रकोष्ठ** द्वारा भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य हमारे कैंपस समुदाय के भीतर निहित समृद्ध भाषाई विविधता का उत्सव मनाना है।

साहित्यिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता: मार्च 2026

आईआईटी के छात्रों के बीच सांस्कृतिक और साहित्यिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक साहित्यिक प्रश्नोत्तरी आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य भारत की समृद्ध साहित्यिक और पौराणिक विरासत का अन्वेषण करना होगा।

अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए हिन्दी शिक्षण कक्षाएँ : नवंबर 2025 से मई 2026

शिवानी केन्द्र ने 6 नवंबर 2025 से अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए हिन्दी कक्षाओं के तीसरे बैच की शुरुआत की है। इन कक्षाओं का मुख्य उद्देश्य छात्रों के कैंपस अनुभव को बेहतर बनाना और उनके दैनिक संवाद को अधिक सरल एवं सुगम बनाना है।

प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के शैक्षणिक सामग्री का क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद

आईआईटी कानपुर के **CERTEX** (Centre for Educational Research and Teaching Excellence / **शैक्षणिक अनुसंधान और शिक्षण उत्कृष्टता केंद्र**), **DoAA,** और **शिवानी केंद्र** मिलकर प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों की शैक्षणिक सामग्री का क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करेंगे। जैसा कि शिक्षा मंत्रालय के निर्देशों में बताया गया है, शुरुआत में इस पहल का ध्यान सबसे बड़े दो छात्र समूहों पर रहेगा: हिन्दी और तेलुगु। इस प्रयास का नेतृत्व शिवानी केन्द्र करेगा, और इसे संकाय सदस्यों और शिक्षण सहायक के सहयोग से संचालित किया जाएगा।

International Mother's Language Day: February 21, 2026

On the occasion of ***International Mother Language Day***, celebrated worldwide on February 21st, **Shivani Centre** and **Rajbhasha Prakoshth** will organize a special event to promote awareness of linguistic and cultural diversity. The event aims to celebrate the rich linguistic diversity within our campus community.

Literary Quiz competition: March 2026

A literary quiz will be held to explore India's rich literary and mythological heritage, promoting cultural and literary awareness among IIT students.

Hindi Learning Classes for International Students: November 2025 to May 2026

Shivani Centre has introduced the third batch of Hindi classes for international students, starting on 6th November 2025. These classes aim to enhance students' campus experience and make everyday interactions smoother.

Translation of Academic Material for First-Year Courses into Regional Languages

CERTEX (Centre for Educational Research and Teaching Excellence) at IIT/K, **DoAA**, and **Shivani Centre** will collaborate to translate academic materials for first-year courses into regional languages. To start with, the initiative will focus on the two largest student groups: Hindi and Telugu, as per the instructions of the **Ministry of Education**. Shivani Centre will lead this effort with the support of faculty members and teaching assistants.

स्टाफ़ सदस्य और संपर्क - Staff Members & Contacts

सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल
(परियोजना प्रबंधक)
Ms. Maitreyi Agarwal
(Project Manager)

श्री. विजय कुमार पांडेय
(राजभाषा अधिकारी)
Mr. Vijay Kumar Pandey
(Hindi Officer)

श्री जगदीश प्रसाद
(तकनीकी अधीक्षक)
Mr. Jagdish Prasad
(Technical Superintendent)

श्री दुर्गेश कुमार मिश्र
(कनिष्ठ तकनीकी निदेशक)
Mr. Durgesh Kumar Mishra
(Jr. Technical Superintendent)

श्री अरविंद कुमार
(कनिष्ठ सहायक)
Mr. Arvind Kumar
(Jr. Assistant)

श्री नितेश कुमार
(उप परियोजना प्रबंधक)
Mr. Nitesh Kumar
(Deputy Project Manager)

श्री सुधांशु गौतम
(परियोजना सहयोगी)
Mr. Sudhanshu Gautam
(Project Associate)

श्री गोविन्द शर्मा
(सहायक परियोजना प्रबंधक)
Mr. Govind Sharma
(Assistant Project Manager)

श्री लाल चंद
(परिचारक)
Mr. Lal Chand
(Attendant)

शिवानी केन्द्र संचालन समिति सदस्य / Shivani Centre Steering Committee Members

प्रो. कांतेश बालानी
एमएसई, आईआईटी कानपुर
Prof. Kantesh Balani
MSE, IIT Kanpur

प्रो. अर्क वर्मा
संज्ञानात्मक विज्ञान, आईआईटी कानपुर
Prof. Ark Verma
Cognitive Science, IIT Kanpur

प्रो. संतोष मिश्रा
बीएसबीई, आईआईटी कानपुर
Prof. Santosh Misra
BSBE, IIT Kanpur

प्रो. अर्नब भट्टाचार्य
सीएसई, आईआईटी कानपुर
Prof. Arnab Bhattacharya
CSE, IIT Kanpur

प्रो. उर्बी चटर्जी
सीएसई, आईआईटी कानपुर
Prof. Urbi Chatterjee
CSE, IIT Kanpur

प्रो. अरुणाभ मेश्राम
एमएसई, आईआईटी कानपुर
Prof. Arunabh Meshram
MSE, IIT Kanpur

प्रो. ललित सरस्वत
एचएसएस, आईआईटी कानपुर
Prof. Lalit Saraswat
HSS, IIT Kanpur

प्रो. अनुराग त्रिपाठी
सीएचई, आईआईटी कानपुर
Prof. Anurag Tripathi
CHE, IIT Kanpur

प्रो. अमर बेहेरा
डिज़ाइन विभाग, आईआईटी कानपुर
Prof. Amar Behera
DoD, IIT Kanpur

श्री मुक्तेश (मिक्की) पंत
शिवानी केन्द्र के उदार दानदाता
Mr. Muktesh (Micky) Pant
Generous Donor for Shivani Centre

प्रो. कांतेश बालानी
शिवानी केन्द्र समन्वयक, आईआईटी कानपुर
Prof. Kantesh Balani
Coordinator of Shivani Centre, IIT Kanpur

प्रो. अर्क वर्मा
शिवानी केन्द्र समन्वयक, आईआईटी कानपुर
Prof. Ark Verma
Co-coordinator of Shivani Centre, IIT Kanpur

हिन्दी साहित्य सभा के संयोजक, सत्र 2025, आईआईटी कानपुर / Coordinators of Hindi Sahitya Sabha, Batch 2025, IIT Kanpur

श्री संजय खरा
Mr. Sanjay Khara

श्री सौभाग्य पांडे
Mr. Saubhagya Pandey

श्री उत्कर्ष केशरवानी
Mr. Utkarsh Kesharwani

श्री प्रिंस यादव
Mr. Prince Yadav

संपर्क

पता: प्री-इंजीनियरिंग बिल्डिंग,
ब्लॉक- एफ़ (कारगिल चौराहे के पास)
आई आई टी कानपुर, कानपुर -208016,
उत्तर प्रदेश, भारत

दूरभाष: 91-0512-259-7074 (कार्यालय)

Contact

Address: Pre-Engineering Building, Block-F, (Near Kargil Chauraha)
IIT Kanpur, Kanpur-208016,
Uttar Pradesh, India

Tel. number: 91-0512-259-7074 (office)

सम्पादन सहयोग : सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल, श्री गोविन्द शर्मा, प्रो. अर्क वर्मा, प्रो. कांतेश बालानी अभिकल्प: श्री गोविन्द
Edited by: Ms. Maitreyi Agarwal, Mr. Govind Sharma, Prof. Ark Verma, Prof. Kantesh Balani Designed by: Mr. Govind

Jagriti means awakening and awareness.
जागृति का अर्थ जागरूकता और सतर्कता है।